अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 21.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व विद्या–50

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) संसार के सारे पदार्थ किन दो राशि में समाविष्ट हो जाते हैं?

(ख) आठ कर्मों में एकान्त अशुभ कर्म कौन-कौन से हैं?

(ग) रति और अरति शब्द के अर्थ लिखें।

(घ) संज्वलन मान किसके समान है?

(ड़) पर्युपासना के दस भेदों में 'श्रवण' का अर्थ क्या है?

(च) निक्षेप के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें।

(छ) प्रत्याख्यान के कौन से प्रकार में शरीर का संकोच-विकोच करना भी वर्जित है?

(ज) अंगप्रविष्ट श्रुत किसे कहते हैं?

(झ) मिथ्याश्रुत किसे कहते हैं?

(ञ) गुण के प्रकार व नाम लिखें?

(ट) आकाशास्तिकाय का क्षेत्र परिमाण बतायें?

(ठ) तीसरे गुणव्रत अनर्थ दण्ड विरमण के दो अर्थ क्या है?

(ड) सम्यक्त्व के दो हेतु कौन से हैं?

(ढ) शयन पुण्य किसे कहते हैं?

(ण) न्यग्रोध परिमण्डल संस्थान का आकार बतायें।

(त) प्राणी ऊंच नीच किस कर्म से होता है?

(थ) सम्यक्त्व का अर्थ लिखें।

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) जन्म के प्रकारों के बारे में बताऐं।

(ख) जीव के चौदह भेद कौन-कौन से हैं और उनके वर्गीकरण का आधार क्या है? स्पष्ट करें।

(ग) समुद्घात के सातों प्रकारों के नाम लिखते हुए वेदनीय और आहारक समुद्घात का वर्णन करें।

(घ) निर्जरा के बाह्य भेदों का वर्णन करें।

(ड़) प्रत्याख्यान के दस प्रकारों का वर्णन करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) श्रुतज्ञान के चौदह प्रकारों का वर्णन करें?

(ख) संहनन के प्रकारों का विस्तार से उल्लेख करते हुए बताएं कि अस्थि रचना का साधना और स्वास्थ्य दोनों दृष्टियों से कैसे महत्व है?

(ग) कषाय के सोलह उदाहरणों को विस्तार से समझाएं?

(घ) जैन आगमों में उपयोग शब्द का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है? साकार उपयोग के प्रकारों के नाम व्याख्या सहित लिखें।

तत्त्व चर्चा–30

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दें– 10

(क) सिद्ध भगवान संज्ञी या असंज्ञी?

(ख) श्रावक में आत्मा कितनी?

(ग) धर्म छः में कौन? नौ में कौन?

(घ) धर्म और धर्मास्तिकाय एक या दो?

(ड़) जीवास्तिकाय सावद्य या निरवद्य?

(च) बारह व्रत छः में कौन? नौ में कौन?

(छ) सामायिक रूपी या अरूपी?

(ज) पाप और धर्म एक या दो?

(झ) निरवद्य जीव या अजीव?

(ञ) अव्रत छः में कौन? नौ में कौन?

(ट) सावद्य हेय या उपादेय?

(ठ) छह द्रव्य में एक कितने? अनेक कितने?

प्र. 5 कोई चार चर्चा लिखें– 20

(क) नौ तत्त्व पर जीव-अजीव।

(ख) धर्म पर चर्चा।

(ग) कर्म पर छह द्रव्य, नौ तत्त्व।

(घ) छः द्रव्यों पर छः में, नौ में की चर्चा।

(ड़) सावद्य पर चर्चा।

(च) हाथी, घोड़ा, पक्षी आदि तिर्यंच पंचेन्द्रिय की पृच्छा।

गीतिका–20

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) संक्षेप नय की दृष्टि से द्रव्य कितने हैं?

(ख) ..... को समझे बिना जो साधु का वेष पहनता है उसे कुछ समझ में तो नहीं आता, बल्कि कर्मों से और अधिक भारी हो जाता है।

(ग) सम्यक्त्व आये बिना अज्ञानतावश शुद्ध आचार का पालने करके प्राणी कौन से देवलोक तक चला जाता है?

(घ) जिसकी आत्मा में..... परिणत हो जाती है, रम जाती है ऐसी आत्माएं विरल होती है।

(ड़) सम्यक्त्व के बिना क्या दूर रहता है?

(च) किन कार्यों से पाप लगता है?

प्र. 7 कोई तीन पद्य अर्थ सहित लिखें– 15

(क) सावद करणी.....नांई रे।।

(ख) जीव अजीव.....डिगाई रे।।

(ग) समकित.....हि कर्म।।

(घ) जीव.....नहराई रे।।

(ड़) सबनै लब्धि.....जमात।।